पाठ्यक्रम

SYLLABUS

पीएच.डी.

Ph.D.

कार्यक्रम

PROGRAMME

हिन्दी

HINDI

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय

GANGADHAR MEHER UNIVERSITY

अमृत विहार, संबलपुर, ओड़िशा(भारत)-768004

Amrut Vihar, Sambalpur, Odisha(India)-768004

SYLLABUS
Ph.D. PROGRAMME IN HINDI
G.M. UNIVERSITY, SAMBALPUR

Semester – I

Paper No.	Title of Paper	Maximum Marks	Credits assigned
711	Recent Trends in the Subject	80 + 20 = 100	4 Credits
712	Research Methodology-I	80 + 20 = 100	4 Credits
713	Research Methodology-II	80 + 20 = 100	4 Credits
714	Dissertation or review Writing/ Presentation/Viva-Voce	150+25+25=200	8 Credits
	Total	500	20 Credits

Semester – I

Paper No. - 711 **80+20=100**

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं तुलनात्मक अध्ययन

इकाई–1

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि तथा आधुनिक साहित्य चिन्तन

साहित्य के विभिन्न सांस्कृतिक आंदोलन

मध्ययुगीन बोध

आधुनिकताबोध

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन

गाँधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई–2

तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप

तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

तुलनात्मक साहित्य का इतिहास

तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा

भारतीय तुलनात्मक साहित्य

भारतीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन और समस्याएँ

इकाई–3

तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद

तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका

भारतीय साहित्य में अनुवाद का महत्व

विश्व साहित्य और अनुवाद

इकाई–4

अस्मिता विमर्श

स्त्री विमर्श

दलित विमर्श

आदिवासी विमर्श

<u>संदर्भ ग्रंथ–</u>

तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इंद्रनाथ चौधुरी

सर्जना और सन्दर्भ - अज्ञेय

तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र

तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य - डॉ.भ.ह.राजुरकर

तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष-इंद्रनाथ चौधरी

Comparative Literature and Literary Theory-R.K.Dhawan(Ed.)

Comparative Literature – Nagendra(Ed.)

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि -विनय कुमार पाठक, चिल्ड्रन बूक बैंक,

कालमार्क्सः कला और साहित्य चिंतन - सं. नामवर सिंह, अनुवाद : गोरख पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन
गाँधीवाद की शव परीक्षा - यशपाल, राजकमल प्रकाशन
मध्यकालीन बोध का स्वरूप - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
औरत : अस्तित्व और अस्मिता - अरविंद जैन, राजकमल प्रकाशन
स्त्री अध्ययन की बुनियाद - प्रमिला के.पी., राजकमल प्रकाशन
उत्तर आधुनिकताः बहु आयामी संदर्भ - पाण्डेय शशिभूषण'शीतांशु', लोकभारती प्रकाशन
उत्तर आधुनिकता और समकालीन कथा साहित्य - लक्ष्मी गौतम, लोकभारती प्रकाशन
साहित्य आंदोलन और साहित्य विवादों का इतिहास झ अपराजिता श्रीवास्ताव, लोकभारती प्रकाशन
आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन
हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1 और 2 - संपादक-धीरेंद्र वर्मा आदि, ज्ञानमंडल प्रकाशन
नई कविता और अस्तित्ववाद झ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
दलित साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि - जनार्दन बाघमरे,
हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी
हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, पटना
हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ - रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त

Paper No.- 712 **80+20=100**

शोध प्रविधि –।

इस पेपर का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सामान्य विषय रहेगा ।

Paper No. - 713 **80+20=100**

शोध प्रविधि – ।।

इस पेपर का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सामान्य विषय रहेगा ।

Paper No.- 714 **150+25+25=200**

शोध प्रबंध

शोध प्रबंध	150
सेमिनार	25
मौखिक परीक्षा	25

इसके अंतर्गत शोध प्रबंध परीक्षा हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। विषय का आवंटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा किया जाएगा। विभाग ही विशेषज्ञ/निदेशक की व्यवस्था करेगा। इस शोध प्रबंध का मूल्यांकन 150 अंकों में से वाह्य विशेषज्ञ/परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है।

****